No. of Printed Pages : 6

MHI-03

MASTER OF ARTS (HISTORY)

Term-End Examination

December, 2015

08720

MHI-03 : HISTORIOGRAPHY

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer any **five** questions in about 500 words each. Attempt at least **two** questions from each section. All questions carry equal marks.*

SECTION I

1. Discuss the important features of Indo – Persian tradition of history-writing during the Mughal period. *20*

2. What is causation ? Discuss the method followed in history for establishing the causality. *20*

3. Elaborate the contribution of the founders of the Annales School of Historiography and discuss their major works. *20*

4. Write a note on the historiographical traditions in early India. *20*

5. Write short notes on any ***two*** of the following in about 250 words each : *10+10*

(a) Oral History

(b) Role of Generalisation in History

(c) Positivist Philosophy

(d) Herodotus

SECTION II

6. Discuss the main features of feminist historiography in India. *20*

7. What is post-modernism ? Discuss the post-modernist views on history. *20*

8. Write a detailed note on the basic constituents of communalist view on Indian history. *20*

9. What is history-from-below ? Discuss it with reference to the history-writing in India. *20*

10. Write short notes on any ***two*** of the following in about 250 words each : *10+10*

(a) D.D. Kosambi's impact on Indian history-writing

(b) The Cambridge School

(c) Colonial Perception of Caste

(d) Race as Political and Social Construct

एम.एच.आई.-03

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (इतिहास)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2015

एम.एच.आई.-03 : इतिहास-लेखन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए । प्रत्येक भाग में से कम-से-कम **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

भाग I

1. मुगल काल में इतिहास-लेखन की इंडो – फारसी परम्परा की प्रमुख विशिष्टताओं की विवेचना कीजिए । *20*

2. कारण-कार्य सम्बन्ध क्या है ? इतिहास में कारण-कार्य सम्बन्ध स्थापित करने के लिए प्रयुक्त पद्धति की चर्चा कीजिए । *20*

3. इतिहास-लेखन के अनाल स्कूल के संस्थापकों के योगदान का विस्तृत विवरण दीजिए और उनके प्रमुख कार्यों की चर्चा कीजिए । *20*

4. प्राचीन भारत में इतिहास-लेखन की परम्पराओं पर एक टिप्पणी लिखिए । *20*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *10+10*

(क) मौखिक इतिहास

(ख) इतिहास में सामान्यीकरण की भूमिका

(ग) प्रत्यक्षवादी दर्शन

(घ) हेरोडोटस

भाग II

6. भारत में नारीवादी इतिहास-लेखन की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए । *20*

7. उत्तर-आधुनिकतावाद क्या है ? इतिहास पर उत्तर-आधुनिकतावादी दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए । *20*

8. भारतीय इतिहास पर सम्प्रदायवादी दृष्टिकोण के मूल तत्त्वों पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए । *20*

9. जनोन्मुखी इतिहास क्या है ? भारत में इतिहास-लेखन के संदर्भ में इसकी चर्चा कीजिए । *20*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : *10+10*

    (क) भारतीय इतिहास-लेखन पर डी.डी. कोसाम्बी का प्रभाव

    (ख) कैम्ब्रिज स्कूल

    (ग) जाति पर उपनिवेशवादी दृष्टिकोण

    (घ) नस्ल, एक राजनीतिक और सामाजिक रचना के रूप में